

डॉ. बिल मौस, पर्वत पर उपदेश, व्याख्यान 4, आनंद, भाग 4: नमक और प्रकाश

© 2024 बिल मौस और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बिल माउंट्स द्वारा माउंट पर उपदेश देते हुए दिया गया उपदेश है। यह सत्र 4 है, द बीटिट्यूड्स, भाग 4: नमक और प्रकाश।

ठीक है, हम परम आनन्द तथा नमक और प्रकाश के अंश के साथ अपना पाठ समाप्त करेंगे, और फिर दिन का काम पूरा हो जाएगा।

और फिर से, बस दोहराना चाहता हूँ, मैं बहुत धीरे-धीरे आगे बढ़ा हूँ, शायद इसलिए क्योंकि मुझे ऐसा करना पसंद है, लेकिन हम थोड़ी गति बढ़ाएँगे। लेकिन जैसा कि आप देख सकते हैं कि मैं इसे कैसे अपना रहा हूँ, यह हर चीज़ के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, मैं आपको जितने संभव हो सके उतने विवादों के साथ बधाई देना चाहता था।

ठीक है, आठवाँ धन्य वचन, क्रमांक 10. श्लोक 10 कहता है, "धन्य हैं वे जो धार्मिकता के कारण सताए जाते हैं, क्योंकि परमेश्वर का राज्य उन्हीं का है।" मुझे यकीन है कि यीशु ने ऊपर देखा, और वे मुँह खोले हुए उसे देख रहे थे और कह रहे थे, पतरस, मैंने ठीक से नहीं सुना।

नहीं, जॉन, आपने ऐसा नहीं कहा। ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे उसने ऐसा कहा हो। क्योंकि हर कोई जानता है कि भगवान का आशीर्वाद धन और समृद्धि है, है न? अच्छा यहूदी सिद्धांत।

तो, निश्चित रूप से उत्पीड़न का आशीर्वाद नहीं है। यीशु उनके चेहरों को देखता है और कहता है, मुझे इसे फिर से कहने दो ताकि पतरस भी इसे समझ सके। धन्य हो तुम जब लोग तुम्हारा अपमान करते हैं, तुम्हें सताते हैं, और मेरे कारण तुम्हारे खिलाफ़ हर तरह की बुरी बातें कहते हैं।

आनन्दित और प्रसन्न हो क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारा प्रतिफल है, क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारा प्रतिफल महान है। इसी तरह, उन्होंने तुमसे पहले के भविष्यद्वक्ताओं को सताया था। एक तार्किक प्रकार का साहित्यिक प्रश्न यह है कि जब आप बीटिट्यूड्स को पढ़ रहे होते हैं, तो आप पहले सात को पढ़ते हैं, और आप पूछते हैं, इस व्यक्ति का स्वागत कैसे किया जाएगा, है न? निश्चित रूप से, अगर कोई समझता है कि वह ईश्वर के संबंध में कौन है, तो वह नम्र है, वह ईश्वर की धार्मिकता के लिए भूखा है, वह दयालु है, वह शुद्ध है, वह शांति बनाता है। निश्चित रूप से, दुनिया इसे पसंद करेगी, है न? मुझे लगता है कि वास्तव में उत्पीड़न पर एक पूरी कक्षा और सेमिनरी की आवश्यकता है।

क्योंकि आप सभी अपना ज़्यादातर समय किस काम में बिताते हैं? संघर्ष से निपटने में, है न? मेरा मतलब है, खासकर अगर आप एक छोटे चर्च के पादरी हैं, जिसका मतलब है कि आप अकेले कर्मचारी हैं, तो आप संघर्ष से निपटने में बहुत ज़्यादा समय बिताने वाले हैं, है न? तो, ऐसा नहीं है कि एक परमानंद व्यक्ति का स्वागत इस तरह से किया जाता है। हमारे गुरु की तरह, हमसे

नफ़रत की जाएगी, तिरस्कार किया जाएगा, सताया जाएगा और शायद मार भी दिया जाएगा। इसका एक कारण यह भी है कि हम इस दुनिया से मूल रूप से अलग हैं, और इसलिए, वे हमें पसंद नहीं करते हैं, लेकिन इसका एक हिस्सा सिर्फ आध्यात्मिक युद्ध है कि शैतान यीशु को पसंद नहीं करता था और उसे मारने की कोशिश करता था।

वह अपने शिष्यों के लिए भी ऐसा ही करेगा। अब, मैं ऐसा नहीं कह रहा हूँ; जाहिर है, यीशु यह नहीं कह रहे हैं कि आपको सताया जाएगा क्योंकि आप मूर्ख हैं। यह यीशु के लिए, धार्मिकता के लिए उत्पीड़न है।

पद 11 में कहा गया है, मेरे कारण। तो, यह प्रत्यक्ष है, यह उत्पीड़न है क्योंकि आप यीशु मसीह के अनुयायी हैं और क्योंकि आप धार्मिकता के लिए भूखे और प्यासे हैं। यह सुसमाचार का सार्वभौमिक संदेश है।

यह हमेशा स्वीकार करना आसान नहीं होता, लेकिन यह, है न, सुसमाचार का सार्वभौमिक संदेश है? यह दिलचस्प है कि शब्दों के क्रम में थोड़ा बदलाव है। इसे थोड़ा और व्यक्तिगत बनाने के लिए आपको बदलाव करना होगा।

वर्तमान से एक बदलाव है, और आप भविष्य से सताए जा रहे हैं। वहाँ उनका आगे की ओर धकेल दिया जाता है। यह, वहाँ, वहाँ छोटी सूक्ष्म चीजें चल रही हैं क्योंकि यीशु जानता है कि यह कितना कठिन है।

वह समझता है कि संदेश कितना कठिन है। आप जानते हैं, हम प्रेरितों के काम 5:41 में इसके बारे में पढ़ते हैं: उन्होंने प्रेरितों को छोड़ दिया, वे परिषद की उपस्थिति से आनन्दित होकर चले गए कि वे उसके नाम के लिए अपमान सहने के योग्य समझे गए। फिलिप्पियों 1:29, यह आपको दिया गया है कि मसीह के लिए, आपको न केवल उस पर विश्वास करना चाहिए, बल्कि दुख भी सहना चाहिए।

2 तीमुथियुस 3.12, जो लोग मसीह में ईश्वरीय जीवन जीने की इच्छा रखते हैं, उन्हें सताया जाएगा। मेरा मतलब है, आप इन आयतों को जानते हैं, है न? वे सभी हैं, और वे सभी जगह हैं। अगर कोई आपको बताता है कि ईसाई पीड़ित नहीं होते हैं, तो वे कुछ ऐसा बेच रहे हैं जो आप नहीं चाहते हैं।

या फिर, आधुनिक धर्मशास्त्री के शब्दों में, मैं इसे सही ढंग से कहना चाहता हूँ: जीवन पीड़ा है। जो कोई भी आपको इसके विपरीत बताता है, वह कुछ बेच रहा है। धर्मशास्त्री कौन है? प्रिंसेस ब्राइड।

क्या आप प्रिंसेस ब्राइड फिल्म जानते हैं? ओह, आप बैपटिस्ट हैं। आप फिल्में देखने नहीं जाते। ओह, यह प्रिंसेस ब्राइड की सबसे बेहतरीन पंक्तियों में से एक है। जीवन दुख है, महामहिम।

वह राजकुमारी से बात कर रहा है। जो कोई भी आपको इसके विपरीत बताता है वह कुछ बेच रहा है। चर्च, यह किसी ऐसे व्यक्ति की पंक्ति है जिसे मैंने चिन्हित नहीं किया कि यह किसकी थी, चर्च सताए गए चर्च है या यह बिल्कुल भी चर्च नहीं है।

मुझे याद है कि जब मैंने पहली बार चर्च में यह पढ़ाया था; उसके बाद एक डीकन आया, और वह वास्तव में चिंतित था। और जब उसने उत्पीड़न के बारे में सोचा, तो वह शहादत के बारे में सोच रहा था। और उत्पीड़न कई रूप लेता है, है न? यह सिर्फ उत्पीड़न से लेकर वास्तविक उत्पीड़न तक, शहादत तक होता है।

मैंने कारेल की किताब के फुटनोट में देखा कि, और मैंने यह पहले भी सुना था, पिछली सदी में, पिछले 1900 सालों की तुलना में ज़्यादा ईसाई शहीद हुए। और उन्होंने कहा कि यह संख्या लगभग 45 मिलियन है। पिछले 100 सालों में 45 मिलियन भाई-बहन यीशु के लिए मारे गए।

हम दूसरे दिन नेपाल में आए भूकंप के बारे में बात कर रहे थे, और मैं भूल गया कि मैं किसके साथ था, लेकिन वे इस बात पर टिप्पणी कर रहे थे कि कितनी बार प्राकृतिक आपदाएँ होती हैं। खैर, प्राकृतिक आपदाएँ, मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि सभी भूकंप ईश्वर द्वारा आते हैं, लेकिन वे इस बारे में बात कर रहे थे कि जब प्राकृतिक रूप से ये भूकंप और अन्य चीजें आती हैं, तो ईसाई आ जाते हैं। मैंने उनसे पूछा कि उत्पीड़न कब तक बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि यह आम तौर पर बहुत लंबे समय तक बंद रहता है। किसी ऐसे व्यक्ति को सताना आसान है जिसे आप नहीं जानते, लेकिन जब कोई रिश्ता बनता है क्योंकि वे मुश्किल समय में आपकी मदद कर रहे हैं, तो पलटकर उन्हें सताना वाकई मुश्किल है।

खास कहानी, ओह, यह सही है, यह ज्ञान आंदोलन का एक आदमी था जो मुझे यह बता रहा है। आप जानते हैं, इंडोनेशिया में उत्पीड़न सबसे तीव्र था। मेरा मतलब है, ईसाइयों को हर जगह मार दिया जा रहा था।

और फिर सुनामी आई, और मुसलमानों को बहुत आश्चर्य हुआ, यह इंडोनेशिया में चर्च था जिसने मुसलमानों की मदद की। जहाँ तक मेरी समझ है, और यह मेरी रुचि का क्षेत्र नहीं है, उत्पीड़न पहले जैसा नहीं रहा क्योंकि मुसलमानों की मदद ईसाइयों ने की, रिश्ते बने, और शांति की इच्छा थी। इसलिए, आपने नेपाल में दो बड़े भूकंपों के बारे में सुना है, और उनके कई मंदिरों को तोड़ दिया गया है।

मैट का एक अच्छा दोस्त है जो नेपाल में पादरी है, और उसके कई लोग मारे गए। सवाल यह है कि इससे क्या होने वाला है? क्या भगवान वाकई मुश्किल हालातों के बीच हिंदुओं और ईसाइयों के बीच ऐसे रिश्ते बनाने के लिए काम करेंगे जिससे कम से कम अभी के लिए तो उत्पीड़न खत्म हो जाए? आप जानते हैं, मुझे नहीं पता। उत्पीड़न कई तरह का होता है, उत्पीड़न से लेकर खुलेआम उत्पीड़न और शहादत तक।

मुझे लगता है कि सबसे दर्दनाक शहादत की कहानी जो मैंने सुनी है वह कुछ साल पहले उत्तर कोरिया से आई थी, जहाँ उन्हें ईसाइयों की एक सूची मिली, और उन्होंने एक परिवार, पति, पत्नी

और उनके बच्चों को ले जाकर सड़क पर लिटा दिया, और उन्हें बुलडोजर से कुचल दिया। यह उत्तर कोरिया है। हाँ।

तो यह सब हमारे चारों ओर हो रहा है। सबसे अधिक संभावना है कि हम जो अनुभव करेंगे वह बीच में कुछ होगा। और मैं यह भी जोड़ना चाहूँगा कि हमारे संदर्भ में, मुझे लगता है कि अधिकांश उत्पीड़न चर्च के भीतर से आता है।

यदि आप सुसमाचार का प्रचार बलपूर्वक और प्रेम से करते हैं, लेकिन सुसमाचार का प्रचार बलपूर्वक करते हैं, तो आपको अपने चर्च में फरीसियों द्वारा सताया जाएगा। हम...मैं एक कठिन सेवकाई अनुभव से गुज़रा। मैं ज़ोंडरवन में था, जो मेरी सामग्री प्रकाशित करता है, और मैंने कहा, अरे, मेरे पास आपके लिए एक किताब है।

और उन्होंने कहा, यह क्या है? मैंने कहा, जब आप बचाए गए लोगों से लड़ सकते हैं तो खोए हुए लोगों को क्यों बचाएं? उन्होंने कहा, इसे लिखो, हम इसे छापेंगे। यह हमारे अपने खाने और निगलने का मामला है। मेरा मतलब है, किताबें... चर्च के भीतर से उत्पीड़न के बारे में किताबों की एक अंतहीन श्रृंखला है।

और मैं आपको अभी बता दूँ, अगर आप सुसमाचार को बलपूर्वक, यहाँ तक कि प्रेमपूर्वक भी प्रचारित करेंगे, तो आप फरीसियों को आकर्षित करेंगे, और वे आपको सताएँगे। ठीक है? मुझे यकीन है कि आप में से कुछ लोगों ने पहले ही इसका अनुभव किया होगा। उत्पीड़न... यीशु के लिए हुआ, है न? उनका मुख्य उत्पीड़न रोमियों द्वारा नहीं था; यह यहूदी नेताओं द्वारा था।

यह चर्च का इतिहास है। हम अपने ही लोगों को मारते और खाते हैं। यह हमारा तरीका है।

यह हमारे काम करने का तरीका है। तब उत्पीड़न आशीर्वाद का साधन बन जाता है। और यह शायद आनंदमय वचनों में सबसे बड़ी विडंबना है, है न? कि उत्पीड़न एक आशीर्वाद है।

यह आनन्द मनाने का कारण है। वास्तव में, पद 12 में आनन्दित शब्द का अनुवाद शायद कम किया गया है। इसका अर्थ है अत्यधिक आनन्दित होना, उल्लासित होना, अति प्रसन्न होना।

लूका 6:23 कहता है, आनन्दित हो और खुशी से उछलो। क्यों? खैर, नंबर एक, तुम्हारा इनाम महान है। स्वर्ग का राज्य तुम्हारा है।

तो यह आठवां आशीर्वाद है... आशीर्वाद, वही आशीर्वाद है जो पुस्तक के अंत में आता है, है न? मैं आपको बता रहा हूँ कि यह सबसे बड़ा आशीर्वाद है। सबसे बड़ा आशीर्वाद परमेश्वर के राज्य का हिस्सा होना है। मैं अक्सर रोमियों 8:18 की आयत के बारे में सोचता हूँ। मुझे यह देखने दें कि मैं इसे सही कह रहा हूँ या नहीं।

लूका नहीं... रोमियों 8:18, मुझे खेद है। रोमियों 8:18। मैं समझता हूँ कि हमारे वर्तमान कष्ट उस महिमा के साथ तुलना करने लायक नहीं हैं जो हमें मिलने वाली है... खैर, यह वास्तव में एक अच्छी आयत नहीं है। हाँ, यह वह बिंदु नहीं है जिसे मैं बताना चाहता हूँ।

ठीक है, कोई बात नहीं। कोई बात नहीं। हम क्यों खुश होते हैं? यह सिर्फ इसलिए नहीं है कि हम क्यों खुश होते हैं।

उत्पीड़न एक आशीर्वाद क्यों है? यह कहने का एक बेहतर तरीका है। उत्पीड़न एक आशीर्वाद क्यों है? नंबर एक, क्योंकि यह सिर्फ इनाम के साथ नहीं आता है, यह एक महान इनाम के साथ आता है। ओह, हाँ।

और, आप जानते हैं, हम अपने वर्तमान दर्द और वर्तमान पीड़ा में इतने डूब जाते हैं, कि हम... दर्द के बीच में, इससे परे देखना मुश्किल है, है न? लेकिन इसीलिए रोमियों 8:18 इतना महत्वपूर्ण है। मैं समझता हूँ कि हमारे वर्तमान दुख तुलना करने लायक नहीं हैं, उन्हें एक ही मेज पर रखने लायक भी नहीं हैं, उस महिमा के साथ तुलना करने लायक भी नहीं हैं जो हम में प्रकट होगी।

तो, हमारे इनाम के बारे में कुछ ऐसा है जो इतना महान है कि हमारे थोड़े से क्षणिक कष्ट... ये कहाँ से आ रहे हैं? मुझे खेद है। श्लोक... हल्के क्षणिक कष्ट हमारे लिए क्या कमा रहे हैं? दूसरा कुरिन्थियों। हश हमारे लिए इसे ढूँढ़ लेगा।

क्षमा करें? दूसरा कुरिन्थियों 4:17. ठीक है. मुझे खेद है. दूसरा कुरिन्थियों 4.17. हाँ.

यह एक और बढ़िया आयत है, बस चीजों पर नज़रिया बनाए रखने के लिए। उत्पीड़न एक आशीर्वाद है क्योंकि यह एक इनाम लाता है। दूसरी बात, उत्पीड़न एक आशीर्वाद है क्योंकि यह हमें आश्वस्त करता है कि हम ईसाई हैं।

और जिस आयत के बारे में मैं सोच रहा हूँ वह है रोमियों 8:16.17, जो बिल्कुल मेरी बात पर आधारित है। आत्मा स्वयं हमारी आत्मा के साथ गवाही देती है कि हम परमेश्वर की संतान हैं। अब, यदि हम संतान हैं, तो हम वारिस हैं।

परमेश्वर के वारिस और मसीह के सह-वारिस। तो यह बहुत बड़ी बात है। यदि हम सचमुच उसके दुखों में भागीदार होते हैं ताकि हम उसकी महिमा में भी भागीदार हो सकें।

देखिए, इस तरह की आयतें मुझे वेस्लेयन की तरह लगती हैं। ठीक है, क्योंकि यह, आप जानते हैं, लेन-देन संबंधी धर्मशास्त्र नहीं है। मैं अपना हाथ उठाता हूँ; मुझे नरक से मुक्त होने का कार्ड मिल गया है; बाकी कुछ भी मायने नहीं रखता।

इसमें कहा गया है कि हम एक शर्त पर मसीह के वारिस हैं। शर्त यह नहीं थी कि मैं शिविर में अपना हाथ उठाऊँ, बल्कि यह कि मैं उसके दुख में भागीदार बनूँ।

और केवल तभी मैं उसकी पीड़ा में भागीदार हो पाऊंगा जब मैं उसकी महिमा में भागीदार हो पाऊंगा। हम्म। हम्म।

दिलचस्प है। हाँ। ओह, हाँ।

ओह, हाँ। हाँ। उत्पीड़न फरीसियों की ओर से आता है।

उत्पीड़न उन लोगों से आता है जो बस नहीं करते हैं, दूसरे शब्दों में, वे अपने कानों को गुदगुदाना चाहते हैं। और ऐसे लोग हैं जो आपके प्रचार की भूमिका का सक्रिय रूप से विरोध करेंगे यदि आप सुसमाचार का प्रचार करते हैं क्योंकि वे इसे सुनना नहीं चाहते हैं। फरीसी हृदय में शुद्ध होने के निहितार्थों को पसंद नहीं करते हैं।

आप जानते हैं, जब भी आप उनके दिल में उतरना शुरू करते हैं, तो वे असहज हो जाते हैं। लेकिन हाँ, शायद ऐसे लोगों की संख्या ज़्यादा है जो सिर्फ़ अपने कानों को गुदगुदाना चाहते हैं। वे हफ़्ते भर की अपनी आध्यात्मिक गतिविधियों को पूरा करना चाहते हैं और अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं।

हाँ। और वे तुम्हें चर्च से बाहर निकाल देंगे। हाँ।

इस मामले का तथ्य अवशेष धर्मशास्त्र है, जब हम अवशेष धर्मशास्त्र के बारे में सीखते हैं, मुख्य रूप से पुराने नियम में, कि सच्चा इस्राएल दृश्यमान इस्राएल के समान नहीं है। और फिर भी मुझे नहीं पता कि क्या मैंने कभी यह पढ़ा है कि, ओह, वैसे, यह अभी भी सच है। और यह कि सच्चा चर्च, अदृश्य चर्च और अवशेष दृश्यमान चर्च का एक छोटा सा हिस्सा है।

मैं जॉन पाइपर से पहले कभी नहीं मिला था। टॉम श्राइनर हमारे बहुत अच्छे कॉमन फ्रेंड थे और जब मैं वहां पढ़ा रहा था तो जॉन गोर्न काहनेमन में बोलने के लिए आ रहे थे। और मैं उनसे मिलना चाहता था क्योंकि टॉम ने मुझे बहुत सारी बातें बताई थीं।

इसलिए, मैं उस व्यक्ति के पास गया जो प्रभारी था और कहा, "क्या मैं उसे हवाई अड्डे पर ले जा सकता हूँ?" और उसने कहा, "ज़रूर।" इसलिए, मुझे पता था कि मुझे जॉन के साथ आधे घंटे का समय मिलेगा। उस समय, मैं अकादमी छोड़ने और पादरी के काम में जाने के बारे में सोच रहा था।

और जॉन ने बिल्कुल यही किया। मैं उससे पूछना चाहता था कि उसने बेथेल कॉलेज क्यों छोड़ा और बेथलेहम चर्च क्यों गया। और इसलिए, हमने बातचीत शुरू की, एक तरह की गपशप।

हालाँकि आप जॉन के साथ बहुत लंबी बातचीत नहीं करते, फिर भी मैंने उनसे ये सवाल पूछे। मैंने अंत में कहा, "मैंने हमेशा खुद को एक बहुत ही प्रेरित व्यक्ति के रूप में देखा है।"

लेकिन तुम तो मुझसे बहुत आगे हो। तो क्यों? तुम्हारे अंदर वह जुनून कहाँ से आता है? और उसने कहा कि मुझे यकीन है कि चर्च नरक में जा रहा है। और मुझे लगा कि यह थोड़ा कठोर है।

और फिर मैं पादरी बन गया। और वह अभी मर चुका है। वह अतिशयोक्ति कर रहा है, वह यीशु बन रहा है।

वह अपनी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कह रहा है। लेकिन जब आप खड़े होकर सभी को उपदेश देते हैं, तो क्या आप यह मान लेते हैं कि आपकी बात सुनने वाला हर व्यक्ति स्वर्ग जा रहा है? नहीं, बिल्कुल नहीं। आप ऐसा नहीं कर सकते।

आप जानते हैं कि आप मिश्रित श्रोताओं को उपदेश दे रहे हैं। हर कोई कह सकता है कि वे स्वर्ग जा रहे हैं, लेकिन वे नहीं जा रहे हैं। यह असंभव है।

और इसलिए, जॉन कह रहा था, ऐसे बहुत से लोग हैं जो खुद को आध्यात्मिक वस्त्र में लपेटते हैं और चर्च जाने के आध्यात्मिक अभ्यास से गुजरते हैं। हमने अपने बच्चों को सिखाया कि वे कभी भी यह वाक्यांश न कहें। आप जो हैं, उस तक नहीं जा सकते।

तो, आप चाहे जो भी करें, आप कभी भी चर्च नहीं जाएँगे। आप खुद ही चर्च हैं। और मैं समझता हूँ कि जॉन क्या कह रहा था, वह कह रहा था कि इस चर्च में इतने सारे लोग हैं कि, मुझे नहीं पता, मैं न्याय नहीं कर रहा हूँ, लेकिन यहाँ बहुत सारे लोग नरक में जा रहे हैं।

यह मुझे उपदेश देने, नेतृत्व करने और जुनून के साथ प्यार करने के लिए प्रेरित करता है। मुझे यकीन नहीं है कि मैंने वह कहानी क्यों बताई। एक समय था; यह दोपहर के बाद का समय रहा होगा।

हाँ, और तुम्हें कष्ट होगा। बहुत से लोग इस कहानी को नहीं जानते, लेकिन जॉन ने बहुत ही कठिन समय से गुज़रा। यह बहुत सार्वजनिक है।

यह उनके चर्च में उत्पीड़न का बहुत ही तीव्र दौर था। क्योंकि उन्हें लगा कि उन्होंने स्थिति को ठीक से नहीं संभाला। और मुझे लगता है कि जॉन कहेंगे कि शायद उन्होंने ऐसा नहीं किया।

लेकिन बहुत ज़्यादा उत्पीड़न, लोगों को नौकरी से निकाल देना और बजट की वजह से उनके वेतन में कटौती करना। मेरा मतलब है, यह बहुत ज़्यादा था। लेकिन यह बस इतना था कि आपको सताया जाएगा।

सभी को सताया जाएगा। स्विंडोल एक भयानक दौर से गुज़रा है। और विवरण सार्वजनिक नहीं हैं, इसलिए मैं उन्हें साझा नहीं कर सकता।

लेकिन वह चर्च की एक भयानक परिस्थिति से गुज़रा। बहुत भयानक। अब, यह चक स्विंडोल है।

चक स्विंडोल को कौन पसंद नहीं करता? खैर, मैं आपको कुछ ऐसे लोगों के बारे में बता सकता हूँ जो चक स्विंडोल को पसंद नहीं करते। आप जानते हैं, हर कोई इससे गुज़रता है। हर किसी को सताया जाता है।

फरीसी, चर्च में गैर-ईसाई। यह होने जा रहा है। और आश्वासन, हमारे ईसाई धर्म के आश्वासनों में से एक, यह है कि बदले हुए लोग बदली हुई ज़िंदगी जीते हैं।

हमारे जीवन में बदलाव हमें हमारे आस-पास की दुनिया के साथ ज़रूरी संघर्ष में डाल देता है। और वे हमें सताएँगे। और हमारा जवाब है, शुक्रिया, मैं इस दुनिया जैसा नहीं हूँ।

मुझे अलग बनाने के लिए धन्यवाद। यह एक आशीर्वाद है।

तीसरा, और मैं अब इस अंश से बाहर निकल रहा हूँ, लेकिन यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण अंश है। मुझे लगता है कि सताए जाने का आशीर्वाद का एक हिस्सा यह है कि यह आपको बताता है कि आप किसी बड़ी चीज़ का हिस्सा हैं। वास्तव में, नहीं, यह इस अंश से निकलता है।

इसी तरह, उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को सताया जो तुमसे पहले थे। जब तुम और मैं धार्मिकता के कारण सताए जाते हैं क्योंकि हम सुसमाचार का प्रचार करते हैं। ठीक है, अब मान लिया, कभी-कभी हम वास्तव में गलती कर देते हैं, है न? हम इसे बहुत कठोरता से प्रचार करते हैं या हम गलतियाँ करते हैं।

हमें इसके लिए फटकार लगाई जाती है। हम बिल्कुल भी इस बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि आप सत्य के वचन को सही ढंग से बता रहे हैं।

आप इसे शक्ति, करुणा, प्रेम और स्पष्टता के साथ प्रचारित कर रहे हैं, और लोग इसके लिए आपसे नफरत करने जा रहे हैं। उस उत्पीड़न से मिलने वाले इनाम का एक हिस्सा यह है कि यह आपको बताता है कि आप किसी बड़ी चीज़ का हिस्सा हैं। उन्होंने भविष्यद्वक्ताओं को सताया।

वे तुम्हें सता रहे हैं। तुम गवाहों के इस बादल का हिस्सा बन रहे हो, है न? फिलिप्पियों 3:10 एक दिलचस्प अंश है। मेरे एक अच्छे दोस्त ने हमारे चर्च में यह उपदेश दिया था।

और फिर, यह उन चीज़ों में से एक है। क्या आपको यह पसंद नहीं आता जब आप कोई उपदेश सुनते हैं और यह आपके द्वारा पढ़े गए किसी अंश पर आधारित होता है। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं सुना। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। जब ऐसा होता है तो मुझे अच्छा लगता है।

फिलिप्पियों 3:10, हाँ, मैं मसीह को जानना चाहता हूँ। मैं उसके पुनरुत्थान की शक्ति को जानना चाहता हूँ, बस। यहीं पर अमेरिकी चर्च अपना विराम चिह्न लगाता है, है न? हम सभी शक्ति में हैं।

हम सब मसीह के पुनरुत्थान में शामिल होने के लिए तैयार हैं। वह मृतकों में से जी उठा था। मैं भी मृतकों में से जी उठूँगा।

जिस शक्ति ने मसीह को मृतकों में से जीवित किया, वही शक्ति मुझमें भी काम कर रही है। आमीन। चलो एक मेगा चर्च शुरू करते हैं।

जाहिर है, हम सभी जानते हैं कि ऐसा नहीं है। यह यहीं खत्म नहीं होता। यहाँ तक कि अल्पविराम भी नहीं, है न? और हाँ, मैं उसके पुनरुत्थान की शक्ति और उसके दुखों में भागीदारी जानना चाहता हूँ।

उसकी मृत्यु में उसके जैसा बनना किसी तरह मृतकों में से पुनरुत्थान को प्राप्त करता है। मसीह के लिए पीड़ा सहने में कुछ ऐसा है जो आपको भविष्यवक्ताओं के साथ जोड़ता है और आपको एक अनोखे तरीके से यीशु के साथ जोड़ता है। और इसलिए, आप जानते हैं कि आप दर्द से कहीं बड़ी और महान चीज़ का हिस्सा हैं।

अब, मुझे नहीं लगता कि मैं कभी ऐसी स्थिति में रही हूँ जहाँ मुझे यह कहने में दुख हुआ हो कि हाँ, मैं अभी वहाँ नहीं हूँ। मुझे नहीं पता कि मैं कभी वहाँ पहुँच पाऊँगी या नहीं। हमने दो बेटियों को खो दिया, एक गर्भपात में और एक जन्म के समय।

और जब राहेल जन्म के चार घंटे बाद ही मर गई, तो उन्होंने मुझे दो हफ़्ते की छुट्टी दे दी। मैं अजुसा पढ़ा रहा था, और वे मुझे और ज़्यादा छुट्टी देने वाले थे। मैंने कहा, नहीं, मैं तैयार हूँ।

मैं वापस आ सकता हूँ। और मैं रोमियों को पढ़ा रहा था। और आप जानते हैं कि मुझे अगला कौन-सा अंश पढ़ाना था? रोमियों 5. हमारे दुख में आनन्दित हों क्योंकि दुख से चरित्र का निर्माण होता है।

चरित्र, आशा, और आशा, धीरज। और मुझे 10 मिनट का व्याख्यान मिला और मैं पूरी गति से दौड़ता रहा, बस रोता रहा। उन्होंने मुझे दो और सप्ताह की छुट्टी दे दी।

इसलिए, मेरे सहकर्मियों ने मुझे यह पढ़ाया। मैंने कभी ऐसा नहीं किया, वास्तव में, मुझे लगता है कि अगली बार जब मैंने रोमियों को पढ़ाया, तो मैंने कहा, "मैं अभी भी रोमियों 5 को नहीं पढ़ा सकता।" इसलिए, हम 4 से 6 तक जा रहे हैं। यदि आपको यह पसंद नहीं है, तो अपनी टिप्पणी पढ़ें। आप जानते हैं, इसलिए मैं इस पर खुद को प्रतिमान के रूप में पेश नहीं कर रहा हूँ।

मेरा मतलब है, दुख बहुत बुरा है। यह सच में बहुत बुरा है। यह आपको दुख देता है, आपको अलग-थलग कर देता है और आपको ईश्वर की अच्छाई, ईश्वर की शक्ति और प्रेम पर सवाल उठाने पर मजबूर करता है, है न? है न? यह सच है।

यह मुझे भी होता है। और, आप जानते हैं, इसलिए मैं वहाँ नहीं हूँ, लेकिन एक समय ऐसा आता है जब आप इस चक्र से गुज़रते रहते हैं जिसे हम ईसाई जीवन कहते हैं, जहाँ आपको उस उत्पीड़न का एहसास होने लगता है जिसका हम सामना करते हैं। और मैं विशेष रूप से एक पादरी के रूप में उत्पीड़न के बारे में सोच रहा हूँ, सच्चाई का प्रचार करने के बारे में, चाहे वे इसे सुनना चाहें या नहीं।

उत्पीड़न के बारे में कुछ ऐसा है जो उस उत्पीड़न का हिस्सा होने के कारण आता है जिसे आप समझना शुरू करते हैं। मैं इसमें अकेला नहीं हूँ। मैं किसी बड़ी चीज़ का हिस्सा हूँ। मैं भविष्यवक्ताओं का हिस्सा हूँ।

मैं मसीह का हिस्सा हूँ। और यह अच्छी बात है। यह अच्छी बात है।

यह एक कठिन बात है, लेकिन यह एक अच्छी बात है। मैं आपको अपनी कहानी बताऊंगा, लेकिन यह आखिरी बात होगी जो मैं आपके साथ साझा करूंगा क्योंकि यह माउंट पर उपदेश के अंत से जुड़ी हुई है। इसलिए, आप मेरी पूरी कहानी सुनेंगे, लेकिन आपको इंतजार करना होगा।

दरअसल, आप में से जिन लोगों ने पादरी के बारे में सुना होगा, उन्होंने शायद पहले ही यह सुना होगा। दो साल पहले मैं अभी भी काफी कच्चा था। ठीक है।

तो, बोनहोफ़र कहते हैं, पीड़ा ही सच्ची शिष्यता का प्रतीक है। हाँ, हाँ, जो भी हो, जो भी हो। ठीक है।

अंतिम आशीर्वाद। क्या आपके पास इस पर कोई टिप्पणी है? अगर मैं सिर्फ़ इस पर बात कर सकता हूँ, तो आप जानते हैं, बेशक, इसका संबंध पत्र की संरचना से है। संरचना के बारे में आपकी समझ यह है कि यह आशीर्वाद से शुरू होती है, और हम गरीब आत्मा में हैं, जहाँ स्वर्ग का राज्य है।

और फिर यह धन्य हैं तुम जो गरीबों को सताते हो, के साथ समाप्त होता है। मुझे लगता है कि जहाँ स्वर्ग का राज्य है, वहाँ दो खंड हैं। इसलिए, बीटिट्यूड्स का पहला खंड ईश्वर की शांति के साथ समाप्त होता है।

अगला भाग उत्पीड़न से शुरू होता है। और वह पूरा भाग नमक और सफेद रंग से होकर गुजरता है, उत्पीड़न के दौरान आपका व्यवहार। तो, इसके बारे में एक अच्छी बात यह है कि अगर आपने आठ कहा, तो आपको पहले सात मिलते हैं। अच्छी तरह से और सममित रूप से धन्य हैं वे जो धार्मिकता के लिए भूखे और प्यासे हैं।

ओह, आप बीच की बात समझ गए। हाँ। जब लोग तुम्हारा अपमान करें और तुम्हें झूठा सताएँ और तुम्हारे खिलाफ़ हर तरह की बुरी बातें कहें, तो मेरे कारण, आनन्दित और खुश रहें क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारे इनाम की प्रशंसा करें क्योंकि उसी तरह से उन्होंने तुमसे पहले भविष्यद्वक्ताओं को सताया था।

और फिर मैं कहूँगा कि अगली आयत बाइबल से है। दूसरे शब्दों में, आपको अपने से पहले के भविष्यद्वक्ताओं की तरह आपूर्ति करनी चाहिए; आप पृथ्वी के नमक हैं। और फिर, जैसे कि आपके पहले के भविष्यद्वक्ता थे, आप दुनिया की रोशनी हैं।

उस पूरे भाग की शुरुआत बीटिट्यूड्स से होती है। आप खुद को सताएंगे। वहाँ से चलने वाली हर चीज का संबंध उत्पीड़न के सामने आपकी दृढ़, समर्पित भक्ति से है।

नहीं, मेरा मतलब है, हाँ, और यही प्रतिवाद है। मैंने वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं पढ़ा है जो मुझे आश्चर्य करे कि इसके लिए वास्तव में एक सख्त संरचना है। मेरा मतलब है, हर कोई बुकएंड के बारे में बात करता है, लेकिन यह इसे सही नहीं बनाता है।

मुझे लगता है कि आपको यह कहना होगा कि क्या नमक और प्रकाश के बारे में कुछ ऐसा है जो सिर्फ उत्पीड़न के लिए विशिष्ट है, या यह सभी आठ आशीर्वादों पर लागू होता है? दूसरे शब्दों में, क्या नमक, जैसा कि मैं इसे प्रस्तुत करने जा रहा हूँ, नमक और प्रकाश आशीर्वाद वाले व्यक्ति पर लागू होता है, या वे सताए गए व्यक्ति पर लागू होते हैं? और आप सताए गए व्यक्ति के बारे में कहने जा रहे हैं। हाँ, क्योंकि कुछ अंश ऐसे हैं जो नमक शब्द का उपयोग करते हैं, और अंश जो पीड़ा के बीच दृढ़, भक्त, समर्पित से संबंधित हैं। हाँ, मैंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा।

मुझे नहीं पता। अगर आपको सताया जा रहा है, तो आप पहले से ही हल्के हो रहे हैं। मेरा मतलब है, हर कोई अपना ध्यान आप पर केंद्रित करने जा रहा है।

मेरा मतलब है, यह प्रकाश बनने का, उत्पीड़न का केंद्र बनने का एक बढ़िया तरीका है। और समस्या क्या है? लोग आपकी रोशनी देखते हैं, और वे सबसे बुरे समय में भी परमेश्वर की महिमा करते हैं। सबसे बुरा क्या है? उत्पीड़न के बीच में दृढ़ता क्या है? हाँ, मुझे इसके बारे में सोचने दो।

किसी भी नए विचार को समझना हमेशा थोड़ा मुश्किल होता है। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूँ कि मैं आपसे पढ़ने के लिए नहीं कह रहा हूँ। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूँ कि क्या यह एक संभावना है? और, आप जानते हैं, एक संभावना से भी ज्यादा। मेरा मतलब है, मैं इसे इसी तरह समझता हूँ।

क्योंकि मैंने कई लेख पढ़े हैं जो दृष्टिकोण की संरचना के बारे में बात करते हैं। हाँ, हाँ। उन्हें यह संभावना पसंद आती है।

यदि आप वीडियो के लिए प्रश्न ढूँढ़ सकते हैं, तो मैंने इसे प्रस्तुत किया है, क्योंकि उनका स्वर्ग का राज्य बुकएंड के रूप में है। प्रश्न यह है कि क्या वे वास्तव में दो खंडों के लिए परिचयात्मक सूत्र हैं? तो, आपके पास है, डेव ने डेव को आश्चर्य किया है कि यह सही है। तो आपके पास होगा, धन्य हैं आत्मा में गरीब, क्योंकि उनका स्वर्ग का राज्य है, और फिर योग्यताएँ।

दूसरा विचार: धन्य हैं वे जो सताए जाते हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य भी उन्हीं का है। और वैसे, अगर आपको सताया जाता है, तो आपको नमक और प्रकाश बनना चाहिए, और उत्पीड़न के कारण छिपना नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि तर्क को पुख्ता बनाने के लिए अगर आप इन अन्य आयतों से यह दिखा सकें कि नमक और प्रकाश के बारे में कुछ ऐसा है जो विशेष रूप से उत्पीड़न से जुड़ा हुआ है।

अगर आप ऐसा कर सकते हैं, तो मुझे लगता है कि आप इसी तरह अपना मामला बनाएंगे। ठीक है, लेकिन अगर आप नमक के साथ ऐसा करते हैं, तो यह प्रकाश में भी जाएगा, आप तर्क देंगे। आप इस पर एक पेपर क्यों नहीं लिखते? कक्षा के लिए, या आप हैं? ओह, ठीक है।

ठीक है, चलो अंदर चलते हैं। ओह, यह सच नहीं है। यह सच नहीं है।

वहाँ बहुत सारे पागल विचार हैं। ठीक है, चलो इसे करते हैं। हाँ, आप करते हैं।

ठीक है, चलिए नमक और रोशनी की बात करते हैं। फिर से, मैं इसे उसी तरह प्रस्तुत कर रहा हूँ जिस तरह से मैंने हमेशा किया है, डेव के पागल विचार को नकारने या उसका मूल्य कम करने के लिए नहीं। यहाँ मेरा परिचय है।

क्योंकि सभी आठ आशीर्वादों के गुण बहुत मांग वाले हैं, मैं यीशु को यह सोचते हुए देख सकता था कि एक सामान्य प्रतिक्रिया यह होगी कि हम कहेंगे, अगर मैं वास्तव में आशीर्वादों को जीने जा रहा हूँ, तो मुझे दुनिया से अलग होकर ऐसा करना होगा। अगर मैं इस दुनिया की चीजों में सक्रिय रूप से शामिल हूँ तो इन आठ चीजों को करने का कोई तरीका नहीं है। इसलिए, एक आशीर्वाद व्यक्ति बनने का एकमात्र तरीका जंगल में जाना, एक रेगिस्तानी पिता बनना है, आप जानते हैं, दुनिया को छोड़ना और इससे बाहर निकलना है।

और इसलिए, मुझे लगता है कि यीशु जो कर रहे हैं वह पिछले आठ आशीर्वादों का समापन करके स्पष्ट रूप से इस बात से इनकार करना है कि आप अकेले रह सकते हैं। वह कह रहे हैं कि आपको दुनिया में लगे रहना होगा। और मुझे यह अभिव्यक्ति पसंद है; यह यीशु का है, इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन दुनिया का नहीं है।

मुझे लगता है कि नमक और रोशनी का मतलब यही है। दुनिया से अलग मत हो जाओ; इसमें रहो, भले ही तुम इसका हिस्सा न हो। यह वाकई मज़ेदार है।

यदि आप मिशन कार्य करते हैं, तो क्या यह सच नहीं है कि तीसरा दिन सबसे कठिन होता है? जब हम पहली बार नेपाल गए, तो मैट ने रॉबिन और मुझे नेपाल ले गए, और यह तीसरा दिन था। यह सिर्फ गरीबी और हिंदू धर्म और बंदर महल में बंदरों का था, और यह सिर्फ एक भारी चीज थी। और रॉबिन और मैं अपने कमरे में वापस चले गए, और हम गंभीरता से कह रहे थे, क्या आपको लगता है कि मैट पहचान लेगा कि हम विमान में सवार होकर घर चले गए? वह वही कर सकता है जो मैं कर रहा हूँ।

मुझे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। मेरा मतलब है, हम हवाई अड्डे तक कैसे पहुँचेंगे, रॉबिन? क्या हम वाकई चुपके से जा सकते हैं? यह तीसरा दिन है। मैं इस बार चीन गया था; फिर से, यह तीसरा दिन था।

और इसलिए शायद तीसरे दिन के बारे में कुछ ऐसा है जो विशेष है। लेकिन जब हम वास्तव में इसके बारे में गंभीरता से बात कर रहे थे, तो हमें रॉबिन की एक अच्छी दोस्त से फेसबुक पर एक संदेश मिला, जिसने इथियोपिया में बहुत काम किया था, और उसने बस इतना कहा, यह तीसरा दिन है; इससे अलग मत होइए। क्योंकि वह अच्छी तरह से जानती थी कि हम क्या करने के बारे में सोच रहे थे।

मैं वह नहीं कर सकता जो मुझे करना चाहिए। मैं बस अलग होने जा रहा हूँ। यह एक बहुत ही कठिन अनुभव था।

मैंने एक चर्च में भाषण दिया जो एक पुरानी गलीचा फैक्ट्री से सटा हुआ था, और मेरे ठीक सामने मंच पर लगभग इतना ही बड़ा चूहा दौड़ा। और रॉबिन उड़ता है। उसे ऐसी चीजों से नफ़रत है।

वह पीछे की ओर झुकी हुई है, और मुझे लगता है कि चूहा एक छेद से होकर ऊपर गया और पूरे समय मेरे सिर के ऊपर प्लेक्सीग्लास के टुकड़े पर बैठा रहा जब तक मैं बोल रहा था।

नेपाल में यह एक बहुत ही अजीब अनुभव था। और हम अलग होना चाहते थे, लेकिन हमने कहा कि हम ऐसा नहीं कर सकते। ठीक है, ईसाई अलग नहीं हो सकते।

आप दुनिया में हैं, आप दुनिया के नहीं हैं, आपको दुनिया में ही रहना है। नमक और रोशनी का मतलब यही है। हम धरती के नमक हैं।

हम परम पूज्य लोग दुनिया के घावों पर मलकर उसके क्षय को रोकते हैं। हम दुनिया की रोशनी हैं। परम पूज्य लोग इस दुनिया के अंधेरे में सच्चाई की रोशनी फैलाते हैं, और इसलिए हमें इसमें शामिल रहना चाहिए।

हमारे बिना, समाज नैतिक पतन में सड़ता है और पाप के अंधकार में ठोकर खाता है। इसलिए, लगे रहो यही इसका उद्देश्य है। ठीक है, आइए इनमें से कुछ बातों पर नज़र डालें।

मैथ्यू 5.13, आप पृथ्वी के नमक हैं। यह हमेशा वही है जो हम खुद को और अपने लोगों को करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। खुद को दर्शकों की जगह पर रखकर देखिए, है न? आप कुछ भी नहीं जानने वाले, अशिक्षित गैलीलियन मछुआरे हैं।

और यीशु आपकी ओर देख रहे हैं और कह रहे हैं, तुम दुनिया की रोशनी हो। तुम जाओ, क्या? वह किसके बारे में बात कर रहे हैं? मेरे बारे में? मैं एक महत्वहीन शहर या क्षेत्र, गलील में रहता हूँ। मैं एक महत्वहीन देश में रहता हूँ।

मैं कुछ नहीं कर सकता। और यीशु कहते हैं, नहीं, तुम पृथ्वी के नमक हो। जिस तरह थोड़ा सा नमक बहुत बड़े क्षेत्र के स्वाद को प्रभावित करता है, खासकर अगर आप इसे पीछे से खाते हैं, तो आप जानते हैं कि कुछ जीवन का प्रभाव, कुछ जीवन का प्रभाव पूरी दुनिया पर क्या होगा।

मैं तुम्हें एक कहानी सुनाना चाहता हूँ। क्या तुमने देखा है, उसका नाम क्या है? लियाम रिम्स, द लॉस्ट आर्ट ऑफ़ डिसाइपल-मेकिंग। यह एक पुरानी किताब है।

यह पहली नेविगेटर किताबों में से एक है जो सामने आई। लॉस्ट आर्ट ऑफ़ डिसाइपल-मेकिंग, मुझे लगता है कि लेरॉय एम्स द्वारा।

क्या यह वही है? लेरॉय एम्स। ठीक है। इसमें बीच में एक कहानी है जो उसने बनाई है, और मैंने इसे थोड़ा सा बढ़ा-चढ़ाकर बताया है, लेकिन यह एक शानदार कहानी है।

यीशु स्वर्ग में एक देवदूत से बात कर रहे हैं, और देवदूत उनसे कहता है, अरे, तुम आखिरी बार कहाँ थे? मैंने तुम्हें 33 साल से नहीं देखा है। ओह, मैं धरती पर था। ओह, सच में? तुम वहाँ नीचे क्या कर रहे थे? बेशक, ऐसा कभी नहीं हुआ होगा, लेकिन यह एक कहानी बन जाती है।

तुम वहाँ क्या कर रहे थे? ओह, और मैंने हज़ारों लोगों को उपदेश दिया, हज़ारों लोगों को, और मैंने और भी ज़्यादा लोगों को ठीक किया। मैंने बहुत से लोगों को ठीक किया। एंजेल कहता है, ओह, यह वाकई बहुत बढ़िया है।

यीशु ने कहा, "हाँ, मैंने अपना अधिकांश समय 12 लोगों के साथ बिताया।" देवदूत ने पूछा, "तुमने ऐसा क्यों किया?" यीशु ने कहा, "वे दुनिया की आशा हैं।" देवदूत ने पूछा, "योजना बी क्या है?" यीशु ने कहा, "कोई योजना बी नहीं है। वे 12 लोग दुनिया की आशा हैं।"

थोड़ा सा नमक भी बहुत बड़ा अंतर पैदा करता है। थोड़ा सा प्रकाश भी बहुत बड़ा अंतर पैदा करता है। और इसलिए, यीशु ने हमें छोटी संख्या में शिष्यत्व का एक आदर्श छोड़ा।

इसलिए भले ही आप किसी बड़े चर्च के पादरी हों, लेकिन उन्होंने जो मॉडल छोड़ा है वह है छोटी संख्याएँ क्योंकि लोगों की छोटी संख्या दुनिया पर बहुत बड़ा प्रभाव डाल सकती है। नमक के कई उपयोग हैं। कारेल कहते हैं कि कम से कम 11 हैं।

मैंने पहले कभी ऐसा नहीं सुना, और उसने मुझे यह भी नहीं बताया कि वे क्या हैं। उसे लगता है कि नमक की छवि की प्राथमिक शक्ति एक शोधक है। और इसलिए, वह इस बारे में बात करता है कि विश्वासियों का दुनिया पर एक परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ता है।

समस्या यह है कि मुझे नहीं पता कि नमक कैसे शुद्ध करता है। क्या आपको पता है? खुला प्रश्न। नमक किसी चीज़ को कैसे शुद्ध करता है? मुझे पता है कि यह चीज़ों को कैसे सुरक्षित रखता है, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह उसे कैसे सुरक्षित रखता है।

लेकिन मुझे नहीं पता कि यह इसे कैसे शुद्ध करता है। यह ताजे पानी के ऊपर खारे पानी की तरह है। हाँ।

और यह शुद्धिकरण कैसे करता है? यह कीटाणुरहित करता है। ठीक है। ठीक है।

ठीक है. हाँ. क्लोरीन.

सोडियम क्लोराइड। मुझे समझ आ गया। हाँ।

रसायन विज्ञान पर थोड़ा धीमा। लेकिन वैसे भी, यही वह है जो कारेल कहता है कि प्राथमिक जोर है। आप जानते हैं, आवेदन यह है कि जब हम एक कमरे में चलते हैं, तो क्या गंदे चुटकुले और यौन इशारे बंद हो जाते हैं? इसलिए नहीं कि आप एक पादरी हैं बल्कि इसलिए कि आप एक ईसाई हैं।

मैं देख सकता था कि इस दुनिया पर हमारा प्रभाव कितना शुद्ध करने वाला है। जैसा कि मैंने आपको बताया, मैं कॉलेज में फोटो जर्नलिज्म का छात्र था, कम से कम शुरुआत में। और मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त था जिसका नाम जॉर्ज था।

जॉर्ज वाकई एक अच्छा फोटोग्राफर था। मेरा मतलब है, यह लड़का तस्वीरें खींच सकता था। वह बहुत बुरा था, लेकिन वह मेरा सबसे अच्छा दोस्त था।

और, आप जानते हैं, उस समय जब आप फ़ोटोग्राफ़ी करते थे, तो आप, यह फ़ोटोशॉप नहीं था, आप पूरी रात जागते थे, डेवलपर, फ़िक्सर, आप जानते हैं, सभी रसायन और सामान। और हम एक रात लगभग एक बजे सुबह काम कर रहे थे। और मुझे कुछ ऐसे शब्द कहने की ज़रूरत है जो मेरे लिए कहना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन इससे बात समझ में आ जाती है।

उसे कुछ हुआ। वह एक तस्वीर देखकर गुस्सा हो गया और बोला, हे भगवान। और मैंने कहा, वह जॉर्ज है।

ओह, ओह, मुझे खेद है। यह सही है। बाद में, उन्होंने कहा, अधिक परिचित भगवान डी। और मैंने कहा, वह जॉर्ज के रूप में अच्छा है।

और जॉर्ज और मेरे बीच बहुत अच्छे संबंध थे, इसलिए मैं उनसे ये बातें कह सकती थी। और इस तरह से हमारे रिश्ते में थोड़ा बदलाव आया। इसलिए नहीं कि मैं जॉर्ज पर उंगली हिला रही थी, बल्कि इसलिए कि जॉर्ज को एहसास हुआ कि मैं उससे अलग हूँ।

और मैं अपने प्रभु का नाम इस तरह से इस्तेमाल होते हुए नहीं सुनना चाहता था। और उन्होंने अपनी भाषा को साफ किया। मेरा मतलब है, इसलिए मैं कर सकता हूँ। ऐसे तरीके हैं जिनसे हम शुद्ध होते हैं, है न? हम शुद्ध होते हैं।

मुझे इस बात से परेशानी होती है कि जब मैं ईसाइयों के समूह के साथ होता हूँ, और वे गपशप करते हैं, बदनामी करते हैं और यौन इशारे करते हैं, और वे दुनिया से अलग नहीं होते। यह नमक नहीं है। इसलिए, मुझे लगता है, यह एक तरह से शुद्धिकरण है।

मैंने हमेशा यही सुना है कि नमक एक संरक्षक है। और जिस तरह मांस को सड़ने और सड़ने से रोकने के लिए नमक को रगड़ा जाता है, उसी तरह हम भी नमक हैं जिसे एक सड़े हुए और क्षयग्रस्त समाज में रगड़ा जाता है, जहाँ हमारा प्रभाव क्षय को धीमा करता है और सुसमाचार को अधिक समय देता है। मैंने एक बार एक चार्ट देखा, काश मैंने इसकी एक प्रति रख ली होती, लेकिन यह सामाजिक संकेतकों का एक चार्ट था।

और वह महत्वपूर्ण तारीख वह दिन थी जब उन्होंने स्कूलों से प्रार्थना को बाहर निकाल दिया। और जब आप विवाह में पैदा हुए बच्चों, गर्भपात को देखते हैं, तो इस तरह के बहुत सारे सामाजिक संकेतक हैं। वे साथ-साथ चल रहे हैं, और उस वर्ष, वे बस उड़ गए।

मुझे राजनीति में जाने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन मुझे यह दिलचस्प लगता है कि जब देश ने भगवान से किसी चीज़ से बाहर निकलने के लिए कहा, तो भगवान ने कहा, ठीक है, अगर आप समाज के क्षय को धीमा करने वाले नमक को हटाने जा रहे हैं, तो समाज इतनी तेज़ी से क्षय होने लगेगा। और क्या यह सच नहीं है? मेरा मतलब है, समाज बस नीचे की ओर मुक्त पतन में है, है न? मुझे याद है जब समलैंगिक आंदोलन राजनीतिक रूप से शुरू हुआ था, और यह पंक्ति बार-

बार दोहराई गई थी। यह था, हमें समाज को बदलने में कोई दिलचस्पी नहीं है, हम बस यह नहीं चाहते कि आप हमें बताएं कि बेडरूम में क्या करना है।

और मैंने यह बात बार-बार सुनी है, और मैं शायद आपमें से ज़्यादातर लोगों से उम्र में बड़ा हूँ। मेरी उम्र 62 साल है। क्या मैं कमरे में सबसे बूढ़ा आदमी हूँ? कृपया ऐसा न करें।

ओह, शुक्रिया। शुक्रिया। मैं तुमसे नफरत करता हूँ।

अच्छा। ठीक है, ठीक है। और अब क्या हुआ? हमारे पास विविधता प्रशिक्षण है, है न? हमारा व्यावसायिक दिमाग कहाँ है? मैं किस शब्द की तलाश कर रहा हूँ? दिमाग, लोगों को विविधता के लिए दिमाग से धोएँ।

क्या आप जानते हैं कि अगर आप संघीय गारंटी वाले ऋण वाले छात्र को स्वीकार करते हैं, अगर आप एक स्कूल के रूप में संघीय वित्त पोषण वाले छात्रों को स्वीकार करते हैं, तो आपको समलैंगिकों को काम पर रखना होगा? आपको ऐसा करना ही होगा। यह कानून है।

अब, मेरा मतलब समलैंगिक आंदोलन पर निशाना साधना नहीं है, लेकिन मैं बस इतना कह रहा हूँ कि समाज में गिरावट आ रही है। और इसका एक हिस्सा राजनीतिक है। मुझे लगता है कि इसका अधिकांश हिस्सा इसलिए है क्योंकि चर्च ने नमक बनना बंद कर दिया है।

यह अलग होना बंद हो गया है। क्योंकि नमक का काम करने का यही एकमात्र तरीका है, यह उस चीज़ से अलग होना चाहिए जिस पर इसे रगड़ा जा रहा है, है न? अगर नमक मांस के समान होता, या अगर यह पतला होता, जैसा कि उदाहरण में है, तो यह कोई अच्छा काम नहीं करता। मैंने एक और बार्नर रिपोर्ट देखी।

यह ईसाइयों और इंजीलवादियों और गैर-ईसाइयों का साक्षात्कार था, यानी, दो समूह थे, उनके बच्चों के लिए उनकी आशाएं और सपने क्या थे। क्या आप जानते हैं कि बच्चों के लिए इंजीलवादियों की आशाएं और सपने दुनिया की बच्चों के लिए आशाओं और सपनों के समान हैं, जो बिंदु छह तक है? वे समान हैं। हम खुश, स्वस्थ, शिक्षित, अच्छी नौकरी, अमीर बनना चाहते हैं।

ओह, और ईसाई होने के नाते। नंबर छह, अमेरिका में चर्च समग्र रूप से नमक नहीं है, और इसलिए हमारे आसपास का समाज क्षय हो रहा है। यह उत्साहजनक है।

ठीक है, चलिए अब कुछ और बात करते हैं जो उत्साहवर्धक है। मुझे नहीं लगता, यह, मुझे यकीन है, एक मज़ाक था। यह सबसे मज़ेदार मज़ाक में से एक है।

मैं चुटकुले सुनाने में माहिर नहीं हूँ, इसलिए आपको यह समझना होगा। लेकिन यह महिला पुलिस द्वारा रोकੀ गई, यह एक महिला थी जिसे पुलिस ने रोक लिया, उसे गिरफ्तार कर जेल ले जाया गया, और उसने यह नहीं बताया कि उसे क्यों गिरफ्तार किया जा रहा है। और लगभग दो घंटे बाद, पुलिसवाला आया और बोला, ठीक है, हमने तुम्हें जाने देने का फैसला किया है।

और वह कहती है, आखिर हुआ क्या था? उसने कहा, अच्छा, तुम ट्रैफिक से बचकर निकल रहे थे, तुम चिल्ला रहे थे, तुम हॉर्न बजा रहे थे, तुम लोगों को उंगली दिखा रहे थे, और तुम्हारी कार पर जीसस के स्टिकर लगे थे। तो, हमने मान लिया कि कार चोरी हो गई है। खैर, खैर।

वैसे, बार्नर रिपोर्ट्स पर आपको कुछ देखना होगा। उनके पास इंजीलवादी की एक परिभाषा है जिससे मैं सहमत नहीं हूँ। यह अभी भी थोड़ा ढीला है।

और जब वे इंजीलवादियों की तुलना गैर-ईसाइयों से करते हैं, तो वस्तुतः कोई अंतर नहीं होता। उनके पास इंजीलवादियों के लिए एक और परिभाषा है जो मुझे लगता है कि बहुत अधिक सटीक है, यानी, आप जानते हैं, वे महीने में एक बार चर्च जाते हैं। और वह समूह समाज से काफी अलग है।

तो, इस बारे में बार्नर रिपोर्ट देखें। आपको सावधान रहना होगा कि इंजीलवाद की कौन सी परिभाषा इस्तेमाल की जा रही है। वैसे भी, नमक के कई उपयोग हैं।

उनमें से दो हैं संरक्षण और शोधन। तीन सत्य जो कल्पना से निकलते हैं। एक, दुनिया को अपने हाल पर छोड़ दिया जाए तो वह सड़ जाएगी और नष्ट हो जाएगी।

यह नैतिक रूप से क्षय हो रहा है, यह आध्यात्मिक रूप से क्षय हो रहा है, यह हर संभव तरीके से क्षय हो रहा है। और यही कारण है कि सामाजिक इंजीनियरिंग की सारी चीजें लगभग हर बार विफल हो जाती हैं। क्योंकि सामाजिक इंजीनियरिंग मूल रूप से इस विचार पर आधारित है कि लोग अच्छे हैं।

और समस्याएँ शिक्षा और सामाजिक हैं। इसलिए, अगर हम इन बाहरी समस्याओं को ठीक कर सकें, तो बाकी सभी समस्याएँ दूर हो जाएँगी। मैं एक पूर्ण ट्रेकी हूँ।

मुझे स्टार ट्रेक बहुत पसंद है। इसमें सिर्फ़ स्पॉक की तस्वीरें हैं, सब कुछ, ठीक है? मैं कबूल करता हूँ। लेकिन रॉडेनबेरी का मूल विषय यह था कि हमारी सभी समस्याएँ बाहरी हैं।

24वीं सदी में शिक्षा, गरीबी और भुखमरी की सभी समस्याएं हल हो गई हैं। और इसलिए, लोग अपनी बेहतरी के लिए, अपनी भलाई के लिए काम करते हैं, किर्क कहते हैं। उनके पास पैसे नहीं हैं।

क्योंकि पैसे की परवाह कौन करता है? हम इसीलिए काम नहीं करते। और भले ही मुझे स्टार ट्रेक बहुत पसंद है, लेकिन रॉडेनबेरी पूरी तरह से गलत है। समस्या बाहर नहीं है, समस्या यहाँ है।

समाज में अच्छे लोग नहीं हैं जिनकी समस्याएँ सिर्फ़ पैसे देने से हल हो जाएँ। ऐसा होता ही नहीं। इसलिए पहला सच यह है कि दुनिया को अगर अपने हाल पर छोड़ दिया जाए तो वह सड़ती-गलती है।

दूसरा, और मुझे यह पसंद है कि टिप्पणियाँ इस बारे में कैसे बात करती हैं, वह कहते हैं, आप पृथ्वी के नमक हैं। मेरा मतलब है, बस इसके बारे में सोचो। आप पृथ्वी के नमक हैं।

हर एक व्यक्ति जो परमानंद से भरा हुआ है, वह धरती का नमक है। वह यह नहीं कहता कि आपको ऐसा होना चाहिए। वह यह नहीं कहता कि सुसमाचार का संदेश क्या है।

आप हैं। इसलिए, यह आपका और मेरा व्यक्तिगत काम है कि हम इस तरह जियें, इस तरह बोलें और इस तरह काम करें कि हम समाज में नमक की भूमिका निभा सकें। तीसरा, और मैंने इस पर संकेत दिया, नमक, नमक के रूप में, हमें अनिवार्य रूप से दुनिया से अलग होना चाहिए।

मुझे किंग जेम्स का वह पुराना अनुवाद बहुत पसंद है जिसमें लिखा है कि हम एक अजीबोगरीब लोग हैं। अब, यह किंग जेम्स के लिए अजीबोगरीब नहीं है, मेरा मतलब यह नहीं था कि अजीबोगरीब शब्द का अब क्या मतलब है, लेकिन मुझे अभी भी यह कल्पना पसंद है। हम सभी अजीब हैं।

हम हैं, है न? क्या आपने कभी किसी व्यक्ति को मृतकों में से जीवित होते देखा है? आप जानते हैं, हम जो मानते हैं उसमें हम अलग-अलग हैं। हम सोचते हैं कि नम्रता एक अच्छी चीज़ है। आप क्यों सोचते हैं कि नम्रता एक अच्छी चीज़ है? हम एक अजीबोगरीब लोग हैं।

लेकिन हमें अनोखा होना होगा। हमें अलग होना होगा। हम बाकी दुनिया के साथ फिट नहीं हो सकते क्योंकि अगर हम फिट हो गए तो हम अपना काम करना बंद कर देंगे।

यह वास्तव में बहुत सरल है। हमें अलग होना होगा। जैसे नमक मांस से अलग है, वैसे ही प्रकाश अंधकार से अलग है।

बेशक, अलग होने का मतलब यह भी है कि हम दूसरों को परेशान करते हैं। हम लोगों को गलत तरीके से परेशान करते हैं। हम बस, इसीलिए, अजीबोगरीब लोग यही करते हैं।

हम लोगों को गलत तरीके से परेशान करते हैं। मुझे यह कथन बहुत पसंद है, क्योंकि स्टॉट, वह टेलिका को उद्धृत कर रहे हैं, वे कहते हैं, यीशु ने यह नहीं कहा कि तुम दुनिया के शहद हो। क्या यह एक बढ़िया पंक्ति नहीं है? हम दुनिया के शहद नहीं हैं।

अब आप कुछ चर्चों में जा सकते हैं और आपको बताया जा सकता है कि आप दुनिया के शहद हैं और आपको बस मुस्कुराना है। मुझे पता है कि यह एक बुरा उच्चारण है, लेकिन यह सबसे अच्छा है जो मैं कर सकता हूँ। हालाँकि, बाइबल ऐसा नहीं कहती है। आप दुनिया के शहद नहीं हैं, और आप नमक हैं।

आप दुनिया को परेशान करते हैं क्योंकि आप मौलिक रूप से अलग हैं। टिप्पणीकार टास्कर कहते हैं, शिष्य एक उद्घरण हैं, एक ऐसी दुनिया में नैतिक कीटाणुनाशक जहाँ नैतिक मानक कम हैं, लगातार बदल रहे हैं, या अस्तित्वहीन हैं। आप और मैं एक नैतिक कीटाणुनाशक हैं।

वैसे भी, अनुवाद का मुद्दा जो ज़्यादातर लोग बताते हैं, वह यह है कि NIV में कहा गया है, लेकिन अगर नमक अपना खारापन खो देता है, और बेशक, सोडियम क्लोराइड एक स्थिर यौगिक है, तो नमक अपना खारापन नहीं खो सकता। शब्द का अनुवाद वास्तव में पतला के रूप में ज़्यादा बेहतर है, यही शब्द का अर्थ है। नमक मृत सागर से निकाला गया था, और यह अशुद्धियों से भरा हुआ था। अगर उन्होंने अशुद्धियों से छुटकारा नहीं पाया होता, तो यह अपना काम नहीं कर पाता।

लेकिन अगर आप सोडियम क्लोराइड लेते हैं और यह गीला हो जाता है, तो यह नमक को बाहर निकाल देता है, और आपके पास एक सफ़ेद दिखने वाला यौगिक रह जाता है जो नमक जैसा दिखता है, लेकिन यह किसी भी काम का नहीं है। और यही मूल रूप से यीशु के बारे में सोच रहा था: नमक गीला हो गया है, अच्छी चीज़ें बह गईं, और यह किसी भी काम का नहीं है, बस इसे सड़क पर फेंक दिया जाए। कार्ल्स ने यह बात कही है, और मैंने यह पहले कभी नहीं सुना, कि यीशु जो कह रहे हैं वह यह है कि यह वास्तव में एक नकारात्मक चीज़ है जिसे नमक नष्ट करता है।

जब रोम ने कार्थेज को हराया, तो आपको पता है कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए क्या किया कि कार्थेजियन फिर कभी न उठें? उन्होंने खेतों में नमक डाला, उन्होंने खेतों में नमक डाला, ताकि वे उग न सकें। मुझे लगता है कि 100 साल तक, कार्थेज के आस-पास के खेत फसल नहीं उगा पाए। इसलिए नमक न केवल बेकार है, बल्कि यह वास्तव में मिट्टी के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है, और कार्ल्स कहते हैं कि यही दृष्टांत का उद्देश्य है।

वैसे भी, अगर हम अलग नहीं हैं, अगर हम नमक नहीं हैं, तो हमारा कोई मतलब नहीं है। आप पुरानी किताब जानते हैं, मैंने इसे नहीं पढ़ा है, लेकिन मुझे इसका शीर्षक पसंद आया, आउट ऑफ़ द सॉल्ट शेकर इनटू द वर्ल्ड? क्या इसे यही कहा जाता है? हाँ, नमक शेकर में नमक का कोई फ़ायदा नहीं होता। नमक का मूल्य सिर्फ़ तब होता है जब इसे डाला जाता है, रगड़ा जाता है, यह खाने से अलग होता है।

पिपर्ट कहते हैं, पृष्ठ 65, कोई भी बिना नमक वाले मांस को खराब होने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकता। यह और कुछ नहीं कर सकता। एकमात्र असली सवाल यह है कि नमक कहाँ है? हम उस पुराने वेंडी के विज्ञापन पर एक नज़र डाल सकते हैं।

हम फ्रैंक को टेबल पर बुला सकते हैं और पूछ सकते हैं, नमक कहाँ है? नमक कहाँ है? नहीं, गोमांस कहाँ है? तो वैसे भी, यह एक शक्तिशाली, शक्तिशाली, न्याय करने वाला, समय के साथ निंदा करने वाला उदाहरण है, जैसा कि हम देखते हैं और कहते हैं, क्या हम व्यक्तिगत रूप से और सामूहिक रूप से पृथ्वी के नमक हैं? दूसरा रूपक यह है कि हम दुनिया की रोशनी हैं। लोग दीपक पर रोशनी नहीं डालते हैं और इसे कटोरे के नीचे नहीं रखते हैं। इसके बजाय, वे इसे एक स्टैंड पर रखते हैं, जो घर में सभी को रोशनी देता है।

और इसी तरह, ओह, मुझे खेद है। श्लोक 14, मुझे शुरू करने की आवश्यकता है। आप दुनिया की रोशनी हैं।

दो उदाहरण। पहाड़ी पर बसा शहर छिप नहीं सकता - दूसरा उदाहरण।

लोग दीया जलाकर उसे कटोरी के नीचे नहीं रखते। बल्कि उसे स्टैंड पर रखते हैं और वह घर में सबको रोशनी देता है। इसी तरह से इस्तेमाल करें।

दूसरों के सामने अपनी ज्योति चमकाओ ताकि वे तुम्हारे अच्छे कामों को देख सकें और स्वर्ग में तुम्हारे पिता की महिमा कर सकें। एक सामान्य विश्वव्यापी द्वैत का अद्भुत उपयोग। प्रकाश अच्छा है।

अंधकार बुरा है। और क्या यह दिलचस्प नहीं है कि इस दुनिया में हमारे सभी तकनीकी विकास और विकास के बावजूद, दुनिया जीवन के वास्तविक मूलभूत प्रश्नों के उत्तर देने के करीब नहीं है? मैं कौन हूँ? मैं यहाँ क्यों हूँ? मुझे क्या करना चाहिए? मुझे क्या अर्थ देता है? मैं कहाँ जा रहा हूँ? मेरा मतलब है, ये वे प्रश्न हैं जो हमेशा दुनिया को परेशान करते रहे हैं।

दुनिया इस सवाल का जवाब देने के करीब नहीं है। यीशु दुनिया की रोशनी है, और उसने हमें दुनिया की रोशनी बनाया है। कुछ टिप्पणीकार सूर्य और चंद्रमा का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि सूर्य यीशु है और वह प्रकाश है।

और हम चाँद हैं। हम परावर्तित प्रकाश हैं। यह एक उपयोगी सादृश्य है।

लेकिन हम दुनिया की रोशनी हैं, और दुनिया अंधकार में है। और हमें अंधकार को दूर करने के लिए दुनिया में आनंद की रोशनी फैलानी है। उसके पास दो उदाहरण हैं।

पहली बात यह है कि पहाड़ी पर बसा शहर छिप नहीं सकता। और खास तौर पर जब आप रेगिस्तान में हों, आप पहाड़ पर नज़र डालें, और आपको इस छोटे से छोटे से हिस्से से कुछ रोशनी जलती हुई दिखाई दे, शायद पहाड़ों में पीछे नाज़रेथ। यह बस, आप इसे नहीं देख सकते, आप इसे नहीं देख सकते, है न? मेरा मतलब है, जब शहर रात में पहाड़ी की चोटी पर होता है, जब इसकी रोशनी जलती है, तो आप इसे मीलों-मील दूर तक देख सकते हैं, जब तक कि आप एलए, शंघाई या बीजिंग में न रहते हों, और फिर आप सड़क के उस पार नहीं देख सकते।

लेकिन मुद्दा यह है कि आनंदित व्यक्ति सबसे अलग होता है। आनंदित व्यक्ति को सबसे अलग होना चाहिए। आनंदित व्यक्ति को सबसे अलग होना चाहिए क्योंकि आनंदित व्यक्ति दुनिया का प्रकाश है।

दूसरा उदाहरण श्लोक 15 में है। और उनके पास जो रोशनी थी, वो थी, आप जानते हैं, वो छोटे तांबे के मिट्टी के बर्तन। वे उन्हें गोल बनाते हैं, अंत को चुटकी से दबाते हैं, उसमें थोड़ा तेल डालते हैं, उसमें एक बाती लगाते हैं।

बहुत, बहुत कम रोशनी। और फिर भी वह छोटी सी रोशनी, अगर वह एकमात्र रोशनी है, तो पूरे घर को रोशन करने में सक्षम है। और वह कह रहा है कि अपनी एक रोशनी को लेकर उसे टोकरी के नीचे रखना पागलपन होगा।

प्रकाश होने का पूरा मतलब यह है कि यह प्रकाशित करता है। इसलिए, उत्पीड़न के आनंद या सभी आनंदों के लिए इसका अनुप्रयोग वही है जो आपको श्लोक 16 में मिलता है। पूरा कारण यह है कि हम नमक हैं और पूरा कारण यह है कि हम प्रकाश हैं, इसलिए कि हम, ठीक है, मुझे लगता है कि यह सिर्फ प्रकाश है, है न? हमें दुनिया का प्रकाश इसलिए बनाया गया है ताकि हम दूसरों पर चमक सकें।

अलग मत हो। यही यीशु कह रहे हैं। अलग मत हो।

यह उतना ही मूर्खतापूर्ण होगा जितना कि एक दीपक पर एक बड़ी बाल्टी रखना। आपको सत्य दिए जाने का कारण, आपको आनंद दिए जाने का कारण यही है कि आप चमकें, है न? यह पहला उदाहरण है। इसे जानने का पूरा उद्देश्य यही है।

ताकि तुम चमक सको, और न चमकना एक रोशनी को ढकने के समान मूर्खता है। अपना जीवन जियो।

दूसरों के सामने अपनी रोशनी चमकाओ ताकि वे देख सकें कि तुम कैसे जी रहे हो। अच्छे कर्मों से मोक्ष नहीं मिलता, बल्कि अच्छे कर्मों से मोक्ष मिलता है। और अगर तुम सच में अच्छे कर्म कर रहे हो, तो तुम्हारी प्रशंसा नहीं की जाएगी।

परमेश्वर की स्तुति होगी। हम स्वर्ग पहुँचेंगे। अब हम संसार की ज्योति नहीं रह पाएँगे।

सही? यह उन कामों में से एक है जो हमें दिए गए हैं, और यह अनंत काल तक जारी नहीं रहेगा। और इसलिए यह एक ऐसा काम है जिसे हमें करना ही होगा। रॉबिन और मेरे पास... हम इस पर कुछ समय से काम कर रहे हैं।

हम मैट के साथ भारत गए थे, और कुछ साल बाद हम चीन भी गए थे। और हम अपने जीवन के बारे में बात कर रहे हैं और हम कहाँ हैं, जब बच्चे लगभग चले गए हैं, और कुछ हद तक आज़ादी और स्वतंत्रता है। हम जो चाहें कर सकते हैं।

जैसे कैरोलिना आ जाऊं, एक हफ़्ते के लिए तुम लोगों के साथ रहूँ। और मैंने पूछा, रॉबिन, तुम अपनी बाकी ज़िंदगी में क्या करना चाहती हो? मैं उस समय शायद 60 साल का था। वह 52 साल की थी।

वह मुझसे आठ साल छोटी है। मुझे अपनी पत्नी के प्रति सम्मान के कारण आपको यह बताना पड़ रहा है क्योंकि मैं कभी भी ऐसी बातचीत में नहीं रहा, जिसमें कम से कम पहले पाँच मिनट में उसने यह बताया हो कि वह मुझसे बहुत छोटी है। मैंने पालना लूट लिया, इस पर मुझे गर्व है।

वैसे भी, हम इस बारे में बात कर रहे थे कि आप अपने बाकी जीवन में क्या करना चाहते हैं। और आप प्रभु की सेवा कैसे करना चाहते हैं? हम अब पादरी सेवा में नहीं हैं। तो, हमारे लिए क्या है? हम क्या करना चाहते हैं? और मेरी पत्नी ने कहा, मैं थक कर मरना चाहती हूँ। मैं पूरी तरह से और पूरी तरह से थक कर मरना चाहती हूँ।

मैंने कहा कि मैं ऐसा कर सकता हूँ। इससे उनका मतलब था कि हम जो आखिरी काम करने जा रहे हैं, वह है घर बेचना, फीनिक्स जाना और हर दिन गोल्फ खेलना। बेशक, आप फीनिक्स में गर्मियों में गोल्फ नहीं खेल सकते।

यह केवल सर्दियों में होता है। आप जानते हैं, यह सही या गलत नहीं है, लेकिन हमारे लिए, हमने कहा, हमें दुनिया की रोशनी बनने का एक मौका मिलता है, और हम दुनिया की रोशनी बनकर मरने जा रहे हैं। मुझे अपनी नींद पूरी करने के लिए अनंत काल मिला है।

ठीक है, अब मुझे इस बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। हम थककर मरने वाले हैं। हम मरने तक लगे रहेंगे, भगवान की इच्छा से, भगवान की मदद से।

अगर मैं व्यायाम करता रहूँ और सही खाना खाऊँ, तो हम मरने तक एक-दूसरे से जुड़े रहेंगे। और मुझे लगता है कि यही बात यीशु कह रहे हैं। नमक बनने का यह तुम्हारा एक मौका है।

यह आपके लिए प्रकाश बनने का एक मौका है। बस इसे करें। समय-समय पर वचन का प्रचार करें।

हर समय तैयार रहें क्योंकि किसी दिन वे सिर्फ अपने कानों को गुदगुदाना चाहेंगे। इसलिए, उपदेश दें, नमक की तरह जियें, प्रकाश की तरह जियें, समाज के क्षय को धीमा करें, अंधकार को रोशन करें, और मरें। यह एक अच्छा जीवन है।

यह एक अच्छा जीवन है। यह एक अच्छी पत्नी है। यह एक अच्छा जीवन है।

क्या आपके पास कोई टिप्पणी है? ठीक है। ठीक है। ठीक है, अगर आप फ्रेंक को नहीं बताएंगे, तो मैं भी फ्रेंक को नहीं बताऊंगा, और हम थोड़ा जल्दी निकल जाएंगे।

मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि हम हर बार ऐसा करेंगे, लेकिन यह पहले मुख्य भाग का अंत है, इसलिए मैं अगला भाग शुरू नहीं करना चाहता। इसलिए कल हम तलाक जैसी सभी मजेदार चीजें करेंगे। अगर हम अध्याय पाँच से आगे निकल जाते हैं, शायद अध्याय छह में थोड़ा आगे, तो हम कल खुश रहेंगे।

फिर मिलते हैं। शुक्रिया। अलविदा।